आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 15.04.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- हल्द्वानी के बनभूलपूरा में रेलवे की 31 हेक्टेयर जमीन खाली कराने की प्रक्रिया में जांच की कार्रवाई जारी।
- चमोली जिला प्रशासन ने बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंद्रप्रयाग भूस्खलन क्षेत्र की मरम्मत शुरू की। बीस अप्रैल तक वाहनों के रात्रि आवागमन पर रोक।
- पौड़ी की जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की पहल पर नर्सरी रोड के पास विकसित किया 'वेस्ट टू वंडर' पार्क। नगर निगम श्रीनगर की रही सक्रिय भागीदारी।
- तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट आगामी 22 अप्रैल को खोले जाएंगे।

बनभूलपूरा

नैनीताल जिले के हल्द्वानी स्थित बनभूलपूरा में रेलवे की 31 हेक्टेयर जमीन खाली कराने की प्रक्रिया में जांच की कार्रवाई जारी है। सिटी मजिस्ट्रेट ए.पी. वाजपेयी ने बताया कि 20 मार्च से 31 मार्च तक बनभूलपूरा के छह स्थानों पर पुनर्वास शिविर लगाए गए। इनमें करीब पांच हजार 300 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन फॉर्म बांटे गए और पात्रता की जांच शुरू की गई। प्रशासन अब शिविर में जमा हुए आवेदनों की सूक्ष्म जांच कर रहा है। इसके तहत रेलवे के 2024 के सर्वे, न्यायालय में दर्ज मामले, आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर और भूमि दस्तावेजों से मिलान किया जा रहा है। इन आवदेन पत्रों की जांच में जो परिवार पात्र पाए जाएंगे, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत विस्थापन का विकल्प दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर सर्वे भी इसी योजना के तहत हो रहा है। अपात्र या अवैध दावेदारों के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई होगी। इस मामले में न्यायालय में अगली सुनवाई 28 अप्रैल को तय है। न्यायालय के निर्देश और जांच रिपोर्ट के आधार पर ही अंतिम विस्थापन की समय–सीमा निर्धारित की जाएगी।

बदरीनाथ हाईवे

प्रदेश में इन दिनों चारधाम यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। चमोली जिला प्रशासन ने भी सुगम और सुरक्षित यात्रा की तैयारियों के तहत बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंद्रप्रयाग भूस्खलन क्षेत्र की मरम्मत शुरू कर दी है। इसके कारण जिला प्रशासन ने 20 अप्रैल तक यहां वाहनों के रात्रि आवागमन पर रोक लगा दी है। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात

नौ बजे से सुबह पांच बजे तक वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी, ताकि मरम्मत कार्य तेजी से किए जा सकें। उन्होंने बताया कि यहां से रूट डायवर्ट कर सैकोट से वाहनों की आवाजाही होगी।

रिकार्ड चालान

हरिद्वार जिले में परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रवर्तन कार्यवाही में रिकॉर्ड करीब उनहत्तर हजार 500 चालान और 4 हजार 600 से अधिक वाहन सीज किए गए, जिससे 12 करोड़ रुपये से ज्यादा राजस्व वसूली की गई है। आरटीओ, प्रशासन निखिल शर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्रशासन ने बड़े जिलों को दिए जाने वाले 100 करोड़ से अधिक के राजस्व लक्ष्य में हरिद्वार जिला पहले स्थान पर रहा। हरिद्वार और रुड़की को मिलाकर लगभग 96 प्रतिशत राजस्व प्राप्त किया गया, जो उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है।

वेस्ट टु वॉन्डर पार्क

पौड़ी गढ़वाल में नर्सरी रोड स्थित पुराने रैन बसेरे के पास, जहां पहले बड़ी मात्रा में कूड़ा फैला रहता था, अब उसी स्थान पर एक सुंदर 'रजत जयंती पार्क' विकसित किया गया है। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देश पर नगर निगम ने विशेष अभियान चलाया और वर्षों से जमा कूड़े को हटाकर उसे गिरीगांव स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में शिफ्ट किया। इस मुहिम के तहत लगभग 18 हजार टन कूड़ा हटाया गया, जिसके बाद खाली हुई भूमि को समतल कर उसके सुनियोजित विकास की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी। वेस्ट टू वंडर' थीम पर आधारित इस पार्क को रजत जयंती पार्क के रूप में विकसित किया गया है, जो आज शहरवासियों के लिए एक आकर्षक और उपयोगी स्थल बन चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि पार्क के विकास के दौरान यहां बच्चों के लिए झूले और अन्य खेल सामग्री स्थापित की गई हैं। साथ ही टहलने के लिए सुव्यवस्थित पाथवे बनाए गए हैं। पार्क में बैठने के लिए बेंच, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और 50 से 60 वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पहल केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जन–जीवन में सकारात्मक प्रभाव का उदाहरण भी है।

इस पहल से न केवल क्षेत्र की सूरत निखरी है, बल्कि आसपास के लोगों को लंबे समय से चली आ रही गंदगी और बदबू की समस्या से भी राहत मिली है।

तुंगनाथ कपाट

तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट आगामी 22 अप्रैल को खोले जाएंगे। कपाट खुलने की तारीख की घोषणा शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ में की गई। पंचांग गणना के अनुसार घोषित तिथि के तहत आगामी 20 अप्रैल को वैदिक मन्त्रोचारण के साथ भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली

शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ के गर्भ गृह से बाहर लाई जाएगी। इसके बाद बाबा की चल विग्रह डोली कैलाश के लिए प्रस्थान करेगी और रात्रि प्रवास के लिए भूतनाथ मन्दिर पहुंचेगी। 21 अप्रैल को चल विग्रह डोली पाव–जगपुड़ा, चलियाखोड़ और बनियकुण्ड होते हुए रात्रि विश्राम के लिए चोपता पहुंचेगी। अगले दिन 22 अप्रैल को विग्रह डोली के तुंगनाथ धाम पहुंचने पर पारम्परिक विधि–विधान से भगवान तुंगनाथ के कपाट ग्रीष्मकालीन के लिए खोल दिये जाएंगे।

मौसम

प्रदेश में गर्मी बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे मैदानी इलाकों में गर्मी का असर और तेज होगा। आज मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना रहेगा और किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है।